

2022

वाटर टाइगर (जल बाघ) का वर्ष 2149

मार्च

रवि सोम मंगल बुध गुरु शुक शनि
1 2 3 4 5
6 7 8 9 10 11 12
13 14 15 16 17 18 19
20 21 22 23 24 25 26
27 28 29 30 31

अप्रैल

रवि सोम मंगल बुध गुरु शुक शनि
1 2
3 4 5 6 7 8 9
10 11 12 13 14 15 16
17 18 19 20 21 22 23
24 25 26 27 28 29 30

मई

रवि सोम मंगल बुध गुरु शुक शनि
1 2 3 4 5 6 7
8 9 10 11 12 13 14
15 16 17 18 19 20 21
22 23 24 25 27 28
29 30 31

जून

रवि सोम मंगल बुध गुरु शुक शनि
1 2 3 4
5 6 7 8 9 10 11
12 13 14 15 16 17 18
19 20 21 22 23 24 25
26 27 28 29 30

जुलाई

रवि सोम मंगल बुध गुरु शुक शनि
1 2
3 4 5 6 7 8 9
10 11 12 13 14 15 16
17 18 19 20 21 22 23
24 25 26 27 28 29 30
31

अगस्त

रवि सोम मंगल बुध गुरु शुक शनि
1 2 3 4 5 6
7 8 9 10 11 12 13
14 15 16 17 18 19 20
21 22 23 24 25 26 27
28 29 30 31

सितम्बर

रवि सोम मंगल बुध गुरु शुक शनि
1 2 3
4 5 6 7 8 9 10
11 12 13 14 15 16 17
18 19 20 21 22 23 24
25 26 27 28 29 30

अक्टूबर

रवि सोम मंगल बुध गुरु शुक शनि
1
2 3 4 5 6 7 8
9 10 11 12 13 14 15
16 17 18 19 20 21 22
23 24 25 26 27 28 29
30 31

नवम्बर

रवि सोम मंगल बुध गुरु शुक शनि
1 2 3 4 5
6 7 8 9 10 11 12
13 14 15 16 17 18 19
20 21 22 23 24 25 26
27 28 29 30

दिसंबर

रवि सोम मंगल बुध गुरु शुक शनि
1 2 3
4 5 6 7 8 9 10
11 12 13 14 15 16 17
18 19 20 21 22 23 24
25 26 27 28 29 30 31

जनवरी 2023

रवि सोम मंगल बुध गुरु शुक शनि
1 2 3 4 5 6 7
8 9 10 11 12 13 14
15 16 17 18 19 20 21
22 23 24 25 26 27 28
29 30 31

फरवरी 2023

रवि सोम मंगल बुध गुरु शुक शनि
1 2 3 4
5 6 7 8 9 10 11
12 13 14 15 16 17 18
19 20 21 22 23 24 25
26 27 28

- गुरु रिपोछे दिवस
- डकिनी दिवस
- लोसार
- शाक्यमुनि बुद्ध जयंती
- पूर्णिमा
- अमावस्य

- 18.03 चोत्रुल ड्युचेन - चमत्कार का प्रदर्शन
- 14.06 सागा ड्युचेन - शाक्यमुनि बुद्ध का परिनिर्वाण
- 01.08 चोक्डोर ड्युचेन - प्रथम धर्मचक्रप्रवर्तन
- 15.11 लहा बाब ड्युचेन - इंद्र-स्वर्ग से अवतरण

- 23.03 जाम्यांग ख्येंत्से वांगपो जयंती
- 05.07 जाम्यांग ख्येंत्से च्योकी लोड्रयो जयंती
- 13.10 क्याब्जे दिलो ख्येंत्से रिपोछे जयंती
- 28.10 रिग्दज़िन जिग्मे लिंगपा जयंती
- 08.02 23 कुंख्येन लौंगछेन राबजाम जयंती

हे अविद्या के अंधकार के विनाशक!

महाकरुणामय।

सर्वज्ञानी।

पारमित।

हे तथागत!

सुगत।

आगत।

पारंगत।

बुद्ध।

शाक्यमुनि!

आपको मेरा प्रणाम।

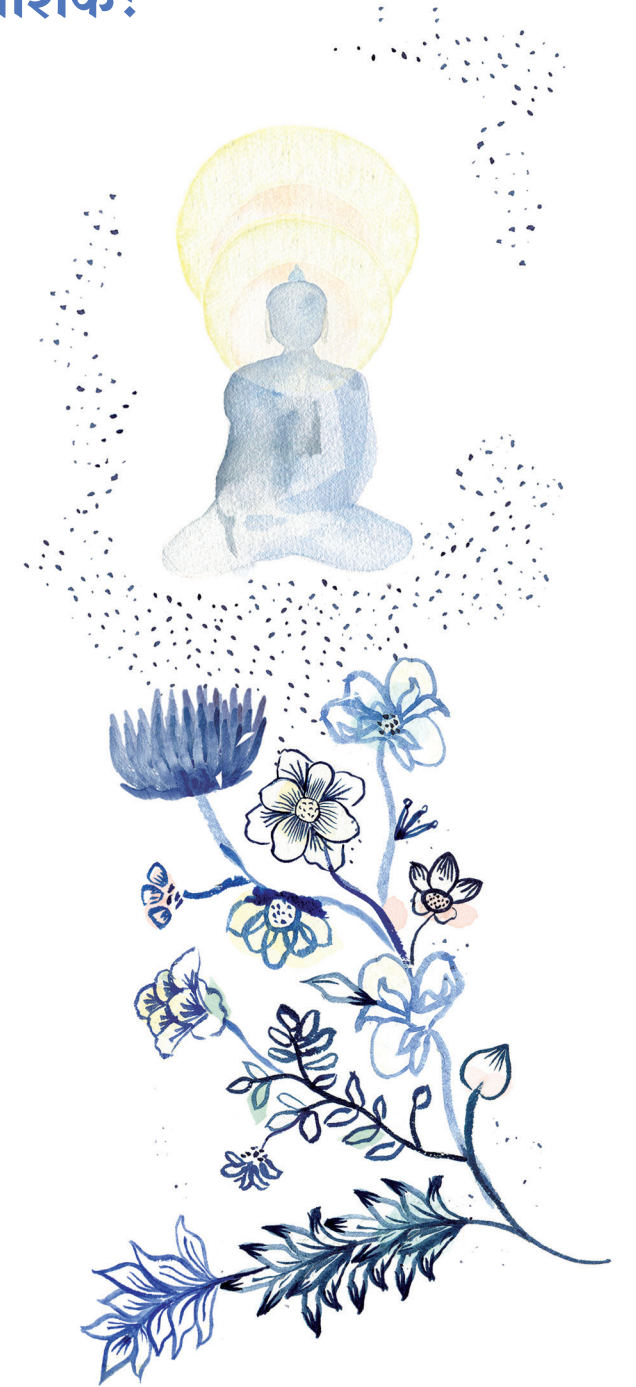
आपको समस्त समर्पित।

आपमें मैं शरण लेता हूँ।

मुझे परिपक्व कीजिए।

मुझे जागृत कीजिए।

मुझे आशीष दीजिए!



जोंगसार ख्येंत्से रिपोछे द्वारा रचित त्रिरत्न अनुस्मृति साधना की प्रारंभिक प्रार्थना

त्रिरत्न अनुस्मृति साधना, तीन आर्य रत्न - बुद्ध, धर्म और संघ के स्मरण के ऑनलाइन सामूहिक अभ्यास में शामिल होने के लिए सभी को आमंत्रण। वर्तमान में केवल अंग्रेज़ी में।
www.triratnasadhana.org



काला इरस्टा द्वारा चित्रित



KHYENTSE
FOUNDATION



SIDDHARTHA'S
INTENT